ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
जे.न. कृ. वि. वि. आंचलिक कृषि अनुसन्धान
जबलपुर, मध्य प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 05-11-2024

जबलपुर(मध्य प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-11-05 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-11-06	2024-11-07	2024-11-08	2024-11-09	2024-11-10
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.9	32.8	32.6	32.4	32.2
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	16.1	16.2	16.3	16.5
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	72	74	75	73	71
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	36	35	40	44	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	3	4	4	3
पवन दिशा (डिग्री)	0	73	0	0	84
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	1	2	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), भोपाल से प्राप्त पूर्वानुमान के आधार पर अगले पांच दिनों के दौरान बिल्कुल भी वर्षा नहीं होने तथा हल्केबादल रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 32-33 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 16-16.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हवा की औसत गति 3-4 किमी/घंटा रहेगी।
भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), भोपाल से प्राप्त पूर्वानुमान के आधार पर अगले पांच दिनों के दौरान बिल्कुल भी वर्षा नहीं होने तथा हल्केबादल रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 32-33 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 16-16.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हवा की औसत गति 3-4 किमी/घंटा रहेगी।

सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में वर्षा नहीं होने तथा हल्केबादल रहने की संभावना है। • सरसों की फसलों की बुवाई उपयुक्त तापमान और मृदा नमी की स्थिति में वर्षा आधारित खेती के लिए की जानी चाहिए। देशी चना: शीघ्र पकने वाली (105-110 दिन)ः- जे. जी. 11, जे. जी. 12, जे. जी. 14, मध्यम अवधि पकने वाली (120-125 दिन)ः- जे. जी. 16, जे. जी. 315, जे. जी. 63, जे. जी. 130, जे. जी. -36 कावुलीःचना जे. जी. के. - 5 •* स्यूडोमोनस पुष्पक्रम 5 से 6 ग्राम / किग्रा बीज या कार्बेन्डाजिम + डाइथिन एम -45 मिश्रण 2.5 ग्राम / किग्रा बीज के साथ बीज उपचार के बाद पंक्ति में मटर / मसूर / ग्राम की बुवाई का उपयुक्त समय है।
आने वाले दिनों में वर्षा नहीं होने तथा हल्केबादल रहने की संभावना है। • सरसों की फसलों की बुवाई उपयुक्त तापमान और मृदा नमी की स्थिति में वर्षा आधारित खेती के लिए की जानी चाहिए। देशी चना: शीघ्र पकने वाली (105-110 दिन)ः- जे. जी. 11, जे. जी. 12, जे. जी. 14, मध्यम अवधि पकने वाली (120-125 दिन)ः- जे. जी. 16, जे. जी. 315, जे. जी. 63, जे. जी. 130, जे. जी. -36 कावुलीःचना जे. जी. के. - 5 •* स्यूडोमोनस पुष्पक्रम 5 से 6 ग्राम / किग्रा बीज या कार्बेन्डाजिम + डाइथिन एम -45 मिश्रण 2.5 ग्राम / किग्रा बीज के साथ बीज उपचार के बाद पंक्ति में मटर / मसूर / ग्राम की बुवाई का उपयुक्त समय है।

लघु संदेश सलाहकार:

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), भोपाल से प्राप्त पूर्वानुमान के आधार पर, अगले पांच दिनों के दौरान वर्षा नहीं होने तथा हल्केबादल रहने की संभावना है।।
भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), भोपाल से प्राप्त पूर्वानुमान के आधार पर, अगले पांच दिनों के दौरान वर्षा नहीं होने तथा हल्केबादल रहने की संभावना है।।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	*मटर 20 से 25 दिन की हो गई हो और मटर के पेड़ सूखे दिखायी दे रहे हो तो उसमें दबाई कैप्टान 70% डब्लूपी + हेक्साकोनाज़ोल 5% डब्लूपी 200 से 250 ग्राम प्रति एकड़ 150 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। अगर मटर में सुंडी दिखाई देने पर उसकी रोकथाम के लिए इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी 80 - 100 ग्राम प्रति एकड़ 150 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
गेहूँ	गेहूँ की उन्नत किस्मों की वुआई हेतुः- खेत की तैयारी करें।सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होने पर गेहूँ की बुवाई बीजोपचार उपरांत करें।किसान भाई, गेहूँ की उन्नत किस्में कुछ इस प्रकार हैःअ. शीघ्र पकने वालीः- (सिंचित किस्में) - जे. डब्ल्यू 3336, एच. डी. 2864, लोक-1, एच. आई. 1534 ब. मध्यम पकने वालीः- (सिंचित किस्मे) - जी. डब्ल्यू- 322, जे. डब्ल्यू 3211, जे. डब्ल्यू 3020, जे. डब्ल्यू 3382, जे. डब्ल्यू 3352, एच. आई. 1544, तेजस, एच. आई. 8759, डी.डी डब्ल्यू. 47, जी. डब्ल्यू- 451 स. देर से पकने वाली- (असिंचित किस्मे) - सुजाता, सी-306, एच. आई. 1531, एच. आई. 3288, द. 1-2 पानी वाली किस्में- जे. डब्ल्यू 3173, जे. डब्ल्यू 3020,
चना	*मटर 20 से 25 दिन की हो गई हो और मटर के पेड़ सूखे दिखायी दे रहे हो तो उसमें दबाई कैप्टान 70% डब्लूपी + हेक्साकोनाज़ोल 5% डब्लूपी 200 से 250 ग्राम प्रति एकड़ 150 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। अगर मटर में सुंडी दिखाई देने पर उसकी रोकथाम के लिए इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी 80 - 100 ग्राम प्रति एकड़ 150 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
गेहूँ	गेहूँ की उन्नत किस्मों की वुआई हेतुः- खेत की तैयारी करें।सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होने पर गेहूँ की बुवाई बीजोपचार उपरांत करें।किसान भाई, गेहूँ की उन्नत किस्में कुछ इस प्रकार हैःअ. शीघ्र पकने वालीः- (सिंचित किस्में) - जे. डब्ल्यू 3336, एच. डी. 2864, लोक-1, एच. आई. 1534 ब. मध्यम पकने वालीः- (सिंचित किस्मे) - जी. डब्ल्यू- 322, जे. डब्ल्यू 3211, जे. डब्ल्यू 3020, जे. डब्ल्यू 3382, जे. डब्ल्यू 3352, एच. आई. 1544, तेजस, एच. आई. 8759, डी.डी डब्ल्यू. 47, जी. डब्ल्यू- 451 स. देर से पकने वाली- (असिंचित किस्मे) - सुजाता, सी-306, एच. आई. 1531, एच. आई. 3288, द. 1-2 पानी वाली किस्में- जे. डब्ल्यू 3173, जे. डब्ल्यू 3020,